अतियंत गोपनीय -केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतू

माध्यमिक विधालय परीक्षा, मार्च-2020

अक-योजना : **सामाजिक विज्ञान**

SUBJECT कोड संख्या : 087 PAPER कोड : 32/5/3

सामान्य निर्देश :-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी भूल भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को **पढ़ और समझ** लें। **मूल्यांकन हम सबके लिए 10-12 दिन का मिशन है अतः यह आवश्यक है कि आप इसमें अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।**

2. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह और निष्ठापूर्वक किया जाए। **हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ। कक्षा दसवीं के प्रश्नपत्र में दिए गए दक्षता आधारित(competency based) दो प्रश्नों का मूल्यांकन करने में कृपया विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें; उनके उत्तर चाहे अंक-योजना में दिए गए उत्तर से मेल न खाते हों तब भी सही दक्षताओं की परिगणना की गई हो तो अंक दिए जाने चाहिए।**

3. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकन कर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें और आश्वस्त हों कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब वह आश्वस्त हो कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।

4. परीक्षक सही उत्तर पर सही का निशान (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (×)। मूल्यांकन-कर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह भूल सर्वाधिक की जाती है।

5. यदि किसी प्रश्न का उपभाग हों तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर **दायीं ओर** अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग **बायीं ओर** के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। **इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।**

6. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।

7. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों उन्हें ही स्वीकार करें/ उन्हीं पर अंक दें।

8. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।

9. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0 – 80 का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।

10. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है और प्रतिदिन मुख्य विषयों की बीस उत्तर-पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 25 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)

11. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं –

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर या दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि।
- योग करने में अंकों और शब्द में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना किंतु अंक न देना। सुनिश्चित करें कि (√) या **(×)** का उपयुक्त निशान ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो)
- उत्तर का एक भाग सही और दूसरा गलत हो किंतु अंक न दिए गए हों।

12. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।

13. उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन कार्य में लगे सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है।

14. सभी परीक्षक वास्तविक मूल्यांकन कार्य से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित हो जाएँ।

15. प्रत्येक परीक्षक सुनिश्चित करे कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है, आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।

16. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड परिषद पुन: मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देती है।

माध्यमिक विद्यालय परीक्षा (मार्च- 2020)

सामाजिक विज्ञान (087)

अंकन योजना 32/5/3

MM-80

QNO.	अपेक्षित उत्तर / मूल्य अंक	PAGE NO.	MARKS
1.	**गन्ने की फसल** A-75cms B- 21* से 27*C	Pg-40 G	1
2.	**वाणिज्यिक फसल**- काजू / अनाज / तिलहन / टमाटर / तम्बाकू / चाय / कॉफी, / काजू / रबड़ / नारियल- कोई एक **अथवा** **सामुदायिक स्वामित्व वाले संसाधन**- तालाब / सार्वजनिक पार्क, / खेल के मैदान कोई एक	Pg-10 Pg-11 G	1 1
3.	निजी क्षेत्र-टिस्को(TISCO)	Pg-67 G	1
4.	जोहान्स गुटेनबर्ग अथवा मार्को पोलो	Pg-157 PG-156 H	1 1
5.	**डॉ बी आर अंबेडकर द्वारा गठित एसोसिएशन** दलित वर्ग एसोसिएशन	Pg-68 H	1
6.	कांशीराम के नेतृत्व में बसपा का गठन हुआ	Pg-81 DP	1
7.	**ऋण व्यवस्था**- ऋण के अनौपचारिक स्रोत / सरकार द्वारा कोई हस्तक्षेप नहीं। अनौपचारिक स्रोतों द्वारा की गयी ऋण गतिविधियों को नियंत्रित करने में	Pg-46 E	1
8.	A / A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है	Pg-34 E	1
9.	A/ केवल I और II	Pg-64 E	1
10.	शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार	Pg-68 G	1

11.	**. डाक व्यवस्था में सुधार का सुझाव** तकनीति सुधार / कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।	Pg-84 G	1
12.	**प्राकृतिक गैस का उपयोग**: **i.** प्राकृतिक गैस का उपयोग करने के लिए अनुदान देना। **ii.** इस स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग करने के महत्व के बारे में लोगों को जागरूक करना। **iii.** इसे जनता के लिए सुलभ बनाना। **iv.** कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। कोई एक बिंदु।	Pg-60 G	1
13.	33% अथवा राज्य चुनाव आयोग	Pg-21 DP PG21 DP	1 1
14.	जाति व्यवस्था -वास्तविक गतिशीलता / कानूनों के कार्यान्वयन / शिक्षा में सुधार / किसी अन्य प्रासंगिक बिंदु अथवा भारत एक धर्म निरपेक्ष देश है।	Pg-59 DP PG-56 DP	1 1
15.	A/ उद्योगपति कांग्रेस के करीबी थे	Pg-66 H	1
16.	**फ्रेड्रिक सारयु का चित्र** स्वतंत्रता की प्रतिमा का वंदन , जिनके एक हाथ में ज्ञानोदय की मशाल और दूसरे हाथ में मनुष्य के अधिकारों का घोषणापत्र	Pg-3 H	1
17.	D/ भारत में सवेधानिक व्यवस्था की कार्यशैली में परिवर्तन के सुझाव के कारण	Pg-62 H	1
18.	संबाद कौमुदी / तुहफ़त -उल -मुवह्हिदीन अथवा रशसुन्दरी देवी	Pg-169H Pg-172 H	1 1
19.	**तानाशाही शासन में आर्थिक विकास**: शिक्षा / बुनियादी ढांचे में निवेश / आर्थिक विकास के विभिन्न रास्ते खोलकर / कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु किसी एक बिंदु की व्याख्या	Pg-93 DP	1

20.	A/ ओटो वॉन बिस्मार्क - जर्मनी	Pg-7 H	1
	SECTION B		
21.	**राष्ट्र के विचार में संस्कृति द्वारा निभाई गई भूमिका**: **i.** स्वच्छंदतावाद एक सांस्कृतिक आंदोलन था जिसने राष्ट्रवादी भावना के एक विशेष रूप को विकसित करने की मांग की। **ii.** रोमांटिक कलाकारों और कवियों ने आमतौर पर कारण और विज्ञान के महिमामंडन की आलोचना की और भावनाओं, अंतर्ज्ञान और रहस्यमय भावनाओं के बजाय ध्यान केंद्रित किया। **iii.** उनका प्रयास एक राष्ट्र के आधार के रूप में एक साझा सामूहिक विरासत, एक सामान्य सांस्कृतिक अतीत की भावना पैदा करना था। **iv.** जोहान गॉटफ्रीड हेरडर जैसे रोमांटिक्स ने दावा किया कि जर्मन संस्कृति को आम लोगों के बीच खोजा जाना था- दास वोल्क। **v.** भाषा भी राष्ट्रवादी भावनाओं को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उदाहरण के लिए, पॉलिश का उपयोग रूसी प्रभुत्व के खिलाफ संघर्ष के प्रतीक के रूप में देखा जाने लगा। **vi.** कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या की जाए।	Pg-13,15 H	3
22.	**खनिज हमारे जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा हैं:** **i.** लगभग हम जो कुछ भी उपयोग करते हैं, एक छोटे से पिन से लेकर एक बिल्डिंग या एक बड़ी दुकान तक, सभी खनिज से बने होते हैं। **ii.** सड़कों की रेल लाइनें और तारमैक (फ़र्श), हमारे औजार और मशीनरी भी खनिजों से बने हैं। **iii.** कारों, बसों, ट्रेनों, एयरो विमानों को खनिजों से निर्मित किया जाता है और पृथ्वी से प्राप्त होने वाले बिजली के पुलों पर चलाया जाता है। **iv.** यहां तक कि जो भोजन हम खाते हैं उसमें खनिज होते हैं। **v.** विकास के सभी चरणों में, मानव ने अपनी आजीविका, सजावट, उत्सव, धार्मिक और औपचारिक संस्कार के लिए खनिजों का उपयोग किया है। **vi.** कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या की जाए। **अथवा** **खनिजों अनेक रूपों में पाए जाते है** **i.** आग्नेय और मेटामॉर्फिक चट्टानों में खनिज दरारें, , दोष या जोड़ों में हो सकते हैं। छोटी को शिराएं कहा जाता है और बड़े को लोड्स कहा जाता है। **ii.** ज्यादातर मामलों में, वे तब बनते हैं जब तरल / पिघला हुआ और गैसीय	Pg-50 G Pg-50,51 G	3 3

	रूपों में खनिज पृथ्वी की सतह के लिए गुहाओं के माध्यम से ऊपर की ओर मजबूर होते हैं। वे उठते ही शांत और जम जाते हैं। प्रमुख धात्विक खनिज जैसे टिन, तांबा, जस्ता और सीसा इत्यादि नसों और गांठों से प्राप्त होते हैं। **iii.** तलछटी चट्टानों में कई खनिज बेड या परतों में पाए जाते हैं। वे क्षैतिज स्तर में जमाव, संचय और एकाग्रता के परिणामस्वरूप बने हैं। उदाहरण के लिए जिप्सम, पोटाश नमक और सोडियम नमक। ये विशेष रूप से शुष्क क्षेत्रों में वाष्पीकरण के परिणामस्वरूप बनते हैं। **iv.** गठन की एक अन्य विधा में सतह चट्टानों के विघटन और घुलनशील घटकों को हटाने में शामिल है, जिसमें मिश्रित सामग्री युक्त अवशिष्ट द्रव्यमान होता है। बॉक्साइट इसी तरह बनता है। **v.** कुछ खनिज घाटी के फर्श और पहाड़ियों के आधार में जलोढ़ के रूप में हो सकते हैं। इन जमाओं को 'प्लाज़र जमा' कहा जाता है और इनमें आमतौर पर खनिज होते हैं, जो पानी से नहीं होते हैं, ऐसे खनिजों में सोना, चांदी, टिन और प्लैटिनम सबसे महत्वपूर्ण हैं। किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या की जाए।		
23.	**स्रोत आधारित प्रश्न** 22.1 *धार्मिक मसलो पर हुई बहस के किसी एक मुद्दे का विश्लेषण करें।* **i.** कुछ ने मौजूदा प्रथाओं की आलोचना की और सुधार के लिए अभियान चलाया, जबकि अन्य ने सुधारकों की दलीलें गिनाईं। ये बहस सार्वजनिक और प्रिंट में की गई। **ii.** विधवा विसर्जन, एकेश्वरवाद, ब्राह्मणवादी पुरोहितवाद और मूर्तिपूजा जैसे मामलों पर सामाजिक और धार्मिक सुधारकों और हिंदू रूढ़िवादियों के बीच गहन विवाद। **iii.** ¡कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किसी एक बिंदु को समझाया जाए। (1) *22.2 इन बहसों में प्रिंट मीडिया की भूमिका की जाँच करें:* **i.** प्रिंट ने नए विचारों के साथ-साथ इन विचारों को भी आकार दिया। **ii.** इसने सार्वजनिक चर्चाओं में सार्वजनिक भागीदारी को बढ़ाया। **iii.** सार्वजनिक चर्चा और विचारों की अभिव्यक्ति **iv.** तर्कपूर्ण विचारों को प्रसारित किया गया **v.** कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं दो बिंदुओं की व्याख्या की जाए। (2)	Pg-121 H	1+2=3

24.	**भारत में रबी शस्य ऋतू की विशेषताएं**: **i.** सर्दियों में अक्टूबर से दिसंबर तक बोया जाता है। **ii.** अप्रैल से जून तक गर्मियों में फसल। **iii.** गेहूं, जौ, मटर कुछ महत्वपूर्ण फसलें हैं। **iv.** मुख्य राज्य-पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड आदि। **v.** पश्चिमी शीतोष्ण जल की उपलब्धता से रबी फसलों में मदद मिलती है। **vi.** कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या की जाए।	Pg-36	3
25.	**भारत में संघवाद की प्रमुख विशेषताएं**: **i.** भारत के संविधान के प्रावधान देश में एक त्रिस्तरीय सरकार प्रदान करते हैं अर्थात् केंद्र सरकार, राज्य सरकार और स्थानीय स्व सरकार। **ii.** इन विभिन्न स्तरों का अलग-अलग क्षेत्राधिकार है। **iii.** संविधान ने स्पष्ट रूप से संघ सरकार और राज्य सरकारों के बीच विधायी शक्तियों का तीन गुना वितरण किया। इसके लिए तीन सूचियाँ हैं: संघ सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची। **iv.** संघ सूची में राष्ट्रीय महत्व के विषय शामिल हैं जैसे कि विदेशी मामले, बैंकिंग आदि और अकेले संघ सरकार इन विषयों पर कानून बना सकती है। **v.** राज्य सूची में राज्य और स्थानीय महत्व के विषय जैसे पुलिस, व्यापार, वाणिज्य, कृषि आदि शामिल हैं और राज्य सरकार अकेले इन विषयों पर कानून बना सकती है। **vi.** संघ और राज्य के बीच सत्ता का बंटवारा संविधान की संरचना के लिए बुनियादी है। संसद स्वयं इस व्यवस्था को बदल नहीं सकती। **vii.** शक्तियों के विभाजन के बारे में किसी भी विवाद के मामले में, उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय एक निर्णय लेते हैं। **viii.**कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या की जाए।	Pg-16,17 DP	3
26.	**मांग जमा में मुद्रा के महत्व पूर्ण लक्षण** **i.** लोग बैंकों के पास जमा के रूप में पैसा रखते हैं। **ii.** लोग अपने नाम से बैंक खाता खोलकर इसे बैंकों में जमा करते हैं। **iii.** बैंक जमा स्वीकार करते हैं और जमा पर ब्याज दर का भुगतान भी करते हैं। **iv.** इस तरह से लोगों का पैसा बैंकों के पास सुरक्षित है और इससे ब्याज मिलता है। **v.** धन की आवश्यक विशेषताओं के रूप में डिमांड जमा की सुविधा	Pg-40,41 E	3

	vi. कोई भी बैंक जमाकर्ता भुगतान के लिए चेक सुविधा प्राप्त कर सकता है। **vii.** कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या की जाए। **अथवा** **ऋणदाता उधार देते समय ऋणधार की मांग करते हैं:** **i.** यह एक ऋणदाता की गारंटी के रूप में काम करता है जब तक कि ऋण चुकाया नहीं जाता है। **ii.** यदि उधारकर्ता ऋण चुकाने में विफल रहता है, तो ऋणदाता को भुगतान प्राप्त करने के लिए संपत्ति या संपार्श्विक को बेचने का अधिकार है। **iii.** क्रेडिट सीमा के दबाव में होने पर एक-दूसरे के साथ अधिक व्यापार करने के लिए जोखिम में कमी। **iv.** पात्र संपत्तियों को स्थानांतरित या गिरवी रखकर विनियामक पूंजीगत बचत प्राप्त करने की संभावना। **v.** कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या की जाए।	Pg-44 E	3
27.	**विविधताओं को समायोजित करने में बेल्जियम मॉडल**: **i.** हालांकि डच देश में बहुमत में थे, केंद्र सरकार में फ्रेंच और डच भाषी आबादी को समान प्रतिनिधित्व दिया गया था। **ii.** बेल्जियम को एक संघीय राज्य के रूप में घोषित किया गया था और इस प्रकार राज्य सरकारों को महत्वपूर्ण अधिकार दिए गए थे। **iii.** राज्य सरकारों ने केंद्र सरकार के अधीनस्थ कार्य नहीं किया। **iv.** राजधानी ब्रुसेल्स की एक अलग सरकार है। हालाँकि, शहर में फ्रांसीसी बोलने वाली आबादी बहुमत में थी, लेकिन उन्होंने ब्रुसेल्स में समान प्रतिनिधित्व को स्वीकार किया। **v.** ऐसा इसलिए था क्योंकि डच भाषी लोगों ने बहुमत में होने के बावजूद केंद्र सरकार में समान प्रतिनिधित्व को स्वीकार किया था। **vi.** सामुदायिक सरकार डच, फ्रांसीसी और जर्मन भाषी लोगों द्वारा चुनी गई और शैक्षिक, भाषा और शैक्षिक मुद्दों पर ध्यान दिया गया। **vii.** कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या की जाए। **अथवा**	Pg-4,5	3

	क्षैतिज सत्ता साझाकरण: **i.** सत्ता को सरकार के विभिन्न अंगों, जैसे विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच साझा किया जाता है। **ii.** सरकार के विभिन्न अंग विभिन्न शक्तियों का प्रयोग करते हैं। **iii.** ऐसा अलगाव यह सुनिश्चित करता है कि कोई भी अंग असीमित शक्तियों का प्रयोग न कर सके। **iv.** इस व्यवस्था को चेक और संतुलन की प्रणाली कहा जाता है। **v.** कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या की जाए।	Pg-8 DP	3
28.	**मूलभूत स्तर पर सार्वजनिक क्षेत्रक के हालत बेहतर बनाने के लिए सुझाव** **i.** सार्वजनिक क्षेत्र में सरकार द्वारा सुधार : **ii.** ग्रामीण स्तर पर सरकार द्वारा अधिक निवेश। **iii.** अधिक बैंकों और सहकारी समितियों द्वारा सहायता **iv.** ग्रामीण स्तर पर ढांचागत विकास। **v.** ग्रामीण स्तर में स्वास्थ्य और शिक्षा में विकास । **vi.** कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या की जाए।	PG-34 E	3
	SECTION -C		
29.	**स्रोत आधारित प्रश्न:** **स्रोत - वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था** *34.1 वैश्वीकरण का प्रभाव उपभोक्ताओं पर कैसे दिखाई दे रहा है?* **i.** उन उपभोक्ताओं के समक्ष अधिक विकल्प हैं जो अब कई उत्पादों के लिए बेहतर गुणवत्ता और कम कीमतों का आनंद लेते हैं जो डिजिटल कैमरा, मोबाइल फोन, टेलीविजन, ऑटोमोबाइल आदि के नवीनतम मॉडल के माध्यम से दिखाई देते हैं। **ii.** कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु (1) **स्रोत -B विदेश व्यापार और बाजारों का एकीकरण** *34.2 विदेशी व्यापर बाजारों को कैसे एकीकृत करता है?* **i.** व्यापार से माल एक बाजार से दूसरे बाजार में जाता है। यह उत्पादन के लिए घरेलू बाजारों से आगे पहुंचने का अवसर पैदा करता है। **ii.** बाजारों में माल की पसंद बढ़ जाती है।	Pg-55,59,70 E	1+2+2=5

	iii. किसी भी अन्य प्रासंगिक बिंदु (2) **34.3 स्रोत -C वैश्वीकरण के लिए संघर्ष** *न्यायसंगत वैश्वीकरण के संघर्ष में लोग कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं?* **i.** लोगों के संगठन द्वारा व्यापक अभियान और प्रतिनिधित्व ने विश्व व्यापार संगठन में व्यापार और निवेश से संबंधित महत्वपूर्ण निर्णय को प्रभावित किया है। **ii.** लोग सामाजिक न्याय की माँग कर सकते हैं। **iii.** किसी भी अन्य प्रासंगिक बिंदु (2)		
30.	**भारतीय रेल जाल के वितरण प्रतिरूप को प्रभावित करने वाले कारक**: **i.** उत्तरी मैदान: समतल भूमि, उच्च जनसंख्या घनत्व और समृद्ध कृषि के कारण विलोपन **ii.** प्रायद्वीपीय क्षेत्र और हिमालयी क्षेत्र; यह एक पहाड़ी इलाका है। रेलवे ट्रैक कम पहाड़ियों, खाई या सुरंगों के माध्यम से बिछाया जाता है। **iii.** राजस्थान के रेगिस्तान: पश्चिमी राजस्थान के रेतीले मैदान के कारण रेलवे लाइन बिछाना बहुत मुश्किल है **iv.** गुजरात के दलदलों, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उड़ीसा और झारखंड के वनाच्छादित इलाकों में विकास नहीं **v.** सह्याद्रि के सन्निहित खिंचाव को केवल अंतराल या दर्रे से पार किया जा सकता है। **vi.** हालांकि पश्चिम तट के साथ कोंकण रेलवे को विकसित किया गया है, लेकिन इसमें कुछ हिस्सों और भूस्खलन में कई प्रकार की समस्याओं का भी सामना करना पड़ा है। **vii.** रेलवे, भारत में माल ढुलाई और यात्रियों के लिए परिवहन के साधन का सिद्धांत होने के नाते व्यापार, पर्यटन स्थलों का भ्रमण, तीर्थयात्रा आदि जैसी विविध गतिविधियों का संचालन करना संभव बनाता है। **viii.** कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किसी भी पाँच बिंदु को समझाया जाए। **अथवा** **सड़क परिवहन की बढ़ता महत्व**: **i.** सड़कों की निर्माण लागत रेलवे लाइनों की तुलना में बहुत कम है। **ii.** सड़कें तुलनात्मक रूप से अधिक विच्छेदित और उदीयमान स्थलाकृति को पार कर सकती हैं।	Pg-84,85	5

	iii. सड़कें ढलान के उच्च ग्रेडर के रूप में बातचीत कर सकती हैं और इस तरह से हिमालय जैसे पहाड़ों को पार कर सकती हैं। **iv.** सड़क परिवहन कुछ व्यक्तियों के परिवहन में किफायती है और कम दूरी पर अपेक्षाकृत कम माल है। **v.** यह घर घर सेवा भी प्रदान करती है, इस प्रकार उतारने और और चढ़ाने की लागत बहुत कम है। **vi.** सड़क परिवहन को परिवहन के अन्य साधनों के लिए फीडर के रूप में भी उपयोग किया जाता है जैसे कि वे रेलवे स्टेशन, हवाई और समुद्री बंदरगाहों के बीच एक लिंक प्रदान करते हैं। vii। कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं पाँच बिंदुओं की व्याख्या की जाए।	Pg-82	5
31.	**राजनीतिक दलों की भूमिका:** **i.** पार्टियां चुनाव लड़ती हैं। **ii.** पार्टियां जनता की राय जुटाती हैं। **iii.** पार्टियों ने नीतियों और कार्यक्रमों को आगे बढ़ाया। **iv.** पार्टियां निर्णय लेने में भाग लेती हैं। **v.** पार्टियां सरकार बनाती हैं और चलती हैं। **vi.** पार्टियां सरकारी मशीनरी और कल्याणकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचती है **vii.** राजनितिक दल सरकार की सत्तावादी नीतियों पर नज़र रखती है **viii.**विपक्ष की भूमिका निभाती है **ix.** अन्य प्रासंगिक बिंदु। कोई पाँच समझाया जाए।	Pg-74 DP	5
32.	**द्वितीय विश्व युद्ध में ब्रेटन वुड्स संस्थानो की भूमिका**: **i.** इसने पश्चिमी औद्योगिक राष्ट्र के लिए व्यापार की अभूतपूर्व वृद्धि और आय के युग का उद्घाटन किया **ii.** विश्व व्यापार में वृद्धि हुई **iii.** पश्चिमी देशों में लोगों की आय बढ़ी। **iv.** विकास केलिए सतत प्रयास **v.** बेरोजगारी की दर कम हुई **vi.** प्रौद्योगिकी और उद्यम का विश्वव्यापी प्रसार था। **vii.** विकासशील देश उन्नत औद्योगिक देशों को पकड़ने की जल्दी में थे। **viii.** बड़ी मात्रा में पूंजी, औद्योगिक संयंत्र और आधुनिक तकनीक वाले उपकरण विकसित किए गए थे। **ix.** कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किसी भी पाँच बिंदु को समझाया जाए।	Pg-99,100 H	5

	अथवा **तरिके जिनके द्वारा ब्रिटिश निर्माताओं ने भारतीय बाजार पर कब्ज़ा किया :** **i.** ब्रिटिश सरकार ने भारतीय सूती वस्त्रों पर आयात शुल्क लगाने के लिए सरकार पर दबाव डाला। **ii.** ईस्ट इंडिया कंपनी को भारतीयों के बाजार में ब्रिटिश निर्माताओं को बेचने के लिए राजी किया। **iii.** विज्ञापनों के माध्यम से; उत्पाद में रुचि पैदा करना। **iv.** लेबल के माध्यम से, जब मैनचेस्टर के उद्योगपतियों ने भारत में कपड़ा बेचना शुरू किया, तो उन्होंने कपड़े पर लेबल लगाए। **v.** भारतीय देवताओं और देवताओं की छवियाँ **vi.** यह ऐसा था जैसे कि देवताओं के साथ संघ को बेचे जाने वाले सामान को दिव्य स्वीकृति दी गई थी। **vii.** कैलेंडर: अपने उत्पादों को लोकप्रिय बनाने के लिए मुद्रित कैलेंडर बनाती है। viii। कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं पाँच बिंदुओं की व्याख्या की जाए।	Pg-100-101 H	5
33.	**अलग-अलग लोगों के पास अलग-अलग विकास के सामान हैं:** **i. कुछ आय चाहते हैं।** **ii.** कुछ विकास परियोजनाओं चाहते हैं। **iii.** कुछ सुरक्षा और गरिमा चाहते हैं। **iv.** कुछ समानता चाहते हैं। **v.** कुछ रोजगार सुरक्षा चाहते हैं। **vi.** कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं पाँच बिंदुओं की व्याख्या की जाए।	Pg-6 E	5
34.	**लोकतंत्र लोगों की गरिमा और स्वतंत्रता को बढ़ावा देता है**: **i.** लोकतंत्र लोगों की गरिमा और स्वतंत्रता को बढ़ावा देने में सरकार के किसी अन्य रूप से बहुत बेहतर है। **ii.** यह नागरिकों के बीच समानता को बढ़ावा देता है और इसलिए नागरिकों के बीच एक दूसरे के लिए सम्मान बढ़ाता है। **iii.** सम्मान और स्वतंत्रता को लोकतंत्र के आधार के रूप में मान्यता दी गई है। **iv.** महिलाओं को स्वतंत्रता और समानता **v.** समान स्थिति और समान अवसर के लिए वंचित और भेदभाव वाली जातियों के दावों को मजबूत किया। **vi.** अल्पसंख्यक समन्वय	Pg-97,98 DP	5

	vii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं पाँच बिंदुओं की व्याख्या की जाए। अथवा **लोकतंत्र अपने स्वयं के परिणामों का उत्पादन करने के लिए सबसे उपयुक्त है**: **i.** नागरिकों में समानता और सह-अस्तित्व को बढ़ावा देता है। **ii.** व्यक्ति की गरिमा और स्वतंत्रता को बढ़ाता है। **iii.** कई आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक समस्याओं के बावजूद निर्णय लेने की गुणवत्ता में सुधार करता है। **iv.** संघर्षों को हल करने के लिए एक विधि प्रदान करता है। गलतियों को सुधारने के लिए कमरे की अनुमति दें। **v.** चर्चा, बातचीत में विश्वास करता है और पारदर्शिता के माध्यम से जवाबदेही दिखाता है। **vi.** बेहतर तरीके से सामाजिक विविधताओं को समाहित करता है। **vii.** कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं पाँच बिंदुओं की व्याख्या की जाए।	Pg-90,98	5
35.	**35A और 35 B- कृपया सलंग्न मानचित्र देखे** **केवल दृष्टिहीनों परीक्षार्थियो के लिए प्रश्न संख्या ३५ के स्थान पर है** 35.1 बिहार 35.2 उत्तर प्रदेश 35.3 मद्रास (चेन्नई) 35.4 पश्चिम बंगाल 35.5 महाराष्ट्र 35.6 गुजरात 35.7 ओडिशा 35.8 राजा सांसी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, अमृतसर		2+4=6 1X6=6

प्रश्न सं. 35 के लिए 32/5/1, 32/5/2, 32/5/3

For question no. 35